

SHRI INDRAJIT GUPTA : He said that all the people are in favour of the Bill but only the trade unions are opposed to it. Is it the job of the Chairman to go about saying these things ?

MR. SPEAKER : It was brought to my notice earlier also by Shri Sunil Maitra.

SHRI INDRAJIT GUPTA : He is transgressing the powers of the Chairman of the Select Committee.

MR. SPEAKER : I must be on record that nothing should go in the Press before the final Report.

SHRI MOOL CHAND DAGA : Sir, I have denied it many times.

12.25 hrs.

MATTERS UNDER RULE 377

- (i) Need for early payment of pending D.A. instalments to Central Government Employees

श्री रामावतार शास्त्री (पटना) : केन्द्रीय सरकारी कर्मचारियों के महंगाई भत्ते की चार किस्तें, 1 जनवरी, 1 फरवरी, 1 अप्रैल तथा 1 मई 1984 से देय हैं। जिन के भुगतान में आवश्यक विलंब हो रहा है।

अप्रैल के बाद भी महंगाई लगातार बढ़ रही है। कोई भी आवश्यक वस्तु ऐसी नहीं है जिसके मूल्य में वृद्धि नहीं हुई हो। प्रेस ट्रस्ट के समाचार के अनुसार सभी वस्तुओं के लिये (1970-71 को आधार आंकड़ा 100 माना जाये) सरकारी थोक मूल्य सूचकांक पिछले हफ्ते के 336.0 (अस्थायी) की तुलना में अब बढ़ कर 338.0 (अस्थायी) हो गया है। इससे यह स्पष्ट है कि, सभी वस्तुओं के खुदरा मूल्यों में निश्चित रूप से

वृद्धि हुई है। इससे यह परिणाम निकाला जा सकता है कि 35 लाख सरकारी कर्मचारियों के महंगाई भत्ते की बकाया राशि का और किस्त बकाया पड़ गया है।

ऐसी स्थिति में सरकारी कर्मचारियों में असंतोष का होना स्वाभाविक है। कर्मचारी महीनों से घोषित चार किस्तों की बकाया राशि के भुगतान की मांग को लेकर महीनों से आंदोलन चला रहे हैं। 24 अप्रैल को वे वित्त मंत्री के निवास स्थान तथा देश के सभी प्रमुख नगरों में सामूहिक प्रदर्शन कर चुके हैं। अभी 31 जुलाई, 1984 को केन्द्रीय कर्मचारी महासंघ के आह्वान पर तमाम केन्द्रीय कर्मचारी वेतन बहिष्कार दिवस मनाने जा रहे हैं। इनका आंदोलन आगे भी बढ़ सकता है।

अतः भारत सरकार के वित्त मंत्री से मेरा अनुरोध होगा कि वह महंगाई भत्ते का बकाया चार किस्तों के नगद भुगतान की घोषणा कर उनके असंतोष को दूर करें।

- (ii) Need for clearing the projects for increasing the storage capacity of D.V.C. to avoid floods in Hoogly and Howrah districts of West Bengal.

SHRI CHITTA BASU (Barasat) : Every year, during the rainy season, the people of lower Bengal particularly the districts of Hoogly and Howrah are exposed to great hardships due to flood and water logging caused by the discharge of excess waters from reservoirs of Maithan and Panchet dams of the Damodar Valley Corporation. It is because the master plan to eliminate floods from the Damodar Valley has only been partially implemented.

Mr. W.L. Voorduin of the Tennessee Valley Corporation who had prepared the the DVC master plan, envisaged the construction of a total of seven multi-purpose